वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय, जौनपुर, उत्तर प्रदेश

समाचार पत्रों में प्रकाशित ख़बर

दिनांक: 14 सितम्बर 2026

प्रस्तुति: मीडिया सेल

हिंदुस्तान

जाएगा।

वीसी ने कृत्रिम बुद्धिमत्ता के क्षेत्र में संभावनाएं बताईं

जौनपुर, संवाददाता। छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय कानपुर में आयोजित कृत्रिम बुद्धिमत्ता मंथन-2.0 में पूर्वांचल विश्वविद्यालय की टीम ने सहभागिता की। कुलपति प्रो. राकेश कुमार सिंह ने राज्यपाल आनंदीबेन पटेल के समक्ष प्रस्तुतिकरण के माध्यम से विश्वविद्यालय के एआई आधारित भविष्य की कार्ययोजना रखी। उन्होंने शिक्षा, अनुसंधान, नवाचार, स्वास्थ्य और सुशासन में कृत्रिम बुद्धिमत्ता के उपयोग की संभावनाएं बताईं। कुलपति ने विश्वविद्यालय की उपलब्धियों के साथ भविष्य की योजनाओं की जानकारी दी। कार्यक्रम में विभिन्न विश्वविद्यालयों के शिक्षाविदों, विशेषज्ञों और प्रतिनिधियों ने एआई के जरिए शिक्षा पर जोर दिया।



छत्रपति शाहू जी महाराज विवि में आयोजित कृत्रिम बुद्धिमत्ता मंथन-2.0 में वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो राकेश कुमार सिंह सहित अन्य।

समाचार भारत

एआई के साथ विकास की नई राह पर पीयूः प्रो. राकेश सिंह

एआई मंथन में कुलपति प्रो. राकेश सिंह ने रखा पीयू का विजन

समाचार भारत/विवेक सिंह ब्यूरो चीफ
जौनपुर

जौनपुर/कानपुर। छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय, कानपुर में आयोजित कृत्रिम बुद्धिमत्ता मंथन-2.0 में वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय, जौनपुर की टीम ने सहभागिता की। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. राकेश कुमार सिंह ने कुलाधिपति एवं राज्यपाल श्रीमती आनंदीबेन पटेल के समक्ष प्रस्तुतिकरण देते हुए कृत्रिम बुद्धिमत्ता के शिक्षा, अनुसंधान, नवाचार, स्वास्थ्य तथा सुशासन के क्षेत्र में उपयोग की संभावनाओं पर विस्तार से अपनी बात रखी।कुलपति प्रो. राकेश कुमार सिंह ने अपने प्रस्तुतिकरण में विश्वविद्यालय की उपलब्धियों के साथ-साथ भविष्य की कार्ययोजना



पर प्रकाश डाला। उन्होंने कृत्रिम बुद्धिमत्ता के माध्यम से उच्च शिक्षा को अधिक प्रभावी, नवाचार एवं तकनीक आधारित बनाने की संभावनाओं पर चर्चा की। साथ ही विश्वविद्यालय में एआई के संबंध में किए गए प्रयासों पर भी प्रकाश डाला। उन्होंने विश्वविद्यालय में विद्यार्थियों के लिए छात्रावास की सुविधाओं के विस्तार, खेलकूद गतिविधियों को बढ़ावा देने, इंटरनेट सुविधाओं को सुदृढ़ करने तथा विद्यार्थियों की सुरक्षा से संबंधित विभिन्न पहलों की जानकारी दी।प्रस्तुतिकरण में क्षय रोग से पीड़ित मरीजों के सहयोग एवं जागरूकता, किशोरियों के लिए मानव पेपिलोमा विषाणु के टीकाकरण, सौ सप्ताह के नशामुक्ति अभियान, सेवा पखवाड़े तथा बाल संरक्षण गृह से संबंधित विश्वविद्यालय की कार्ययोजना को भी प्रस्तुत किया गया। कृत्रिम बुद्धिमत्ता मंथन-2.0 में विभिन्न विश्वविद्यालयों के शिक्षाविदों, विशेषज्ञों एवं प्रतिनिधियों ने कृत्रिम बुद्धिमत्ता के माध्यम से शिक्षा, अनुसंधान, नवाचार, स्वास्थ्य और सुशासन को नई दिशा देने पर विचार साझा किए। कार्यक्रम ने उच्च शिक्षा संस्थानों के बीच कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित सहयोग एवं नवाचार की नई संभावनाओं को भी सामने रखा।विश्वविद्यालय की तरफ से एआई मंथन में कुलपति प्रो. राकेश कुमार सिंह के नेतृत्व में कुलसचिव डॉ. विनोद कुमार सिंह,आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ के समन्वयक प्रो. गिरिधर मिश्र, प्रो. सौरभ पाल, डॉ. विक्रान्त भटेजा, डॉ. सुनील यादव, दिलीप कुमार यादव प्रतिभाग किए।

पहल टुडे

शहीद उमानाथ सिंह का बलिदान अविस्मरणीय रहेगा: प्रो. संतोष कुमार

पहल टुडे

जौनपुर। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय स्थित इंजीनियरिंग संस्थान में अमर शहीद उमानाथ सिंह की 32 वीं पुण्यतिथि श्रद्धा एवं सम्मान के साथ मनाई गई। इस अवसर पर इंजीनियरिंग संस्थान के भौतिक विज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. संतोष कुमार और स्वर्गीय उमानाथ सिंह के पुत्र पूर्व सांसद डॉ. के. पी. सिंह ने उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं श्रद्धा सुमन अर्पित कर उन्हें याद किया।

प्रो. संतोष कुमार ने कहा कि शहीद उमानाथ सिंह का बलिदान, समर्पण और उनके द्वारा किए गए कार्य देश, धर्म और समाज के लिए अनमोल है। उनका योगदान हर भारतीय के लिए प्रेरणास्रोत है और उन्हें हम भुला नहीं सकते। देश की सेवा में उनके अद्भुत संघर्ष और आत्मबलिदान को आने वाली पीढ़ियां सदैव याद रखेंगी।

पूर्व सांसद डॉ. के. पी. सिंह ने शहीद उमानाथ सिंह के जीवन एवं उनके राजनीतिक संघर्ष को विस्तार से प्रस्तुत करते हुए कहा कि वे 13 अगस्त 1938 को जौनपुर के महरूपुर गांव में एक संस्कारवान परिवार में जन्में। बाल्यकाल से ही उन्होंने उत्तरदायित्व, धीरता और राष्ट्रप्रेम का परिचय दिया। वर्ष 1957 में भारतीय जनसंघ से जुड़कर उन्होंने राष्ट्रसेवा का कार्य प्रारंभ किया। उन्होंने



1957 के खाद्य आन्दोलन, 1975 के आपातकाल एवं 1990 के राम जन्मभूमि आंदोलन में भाग लेते हुए जेल यात्रा भी की। उनकी ईमानदारी, सादगी और संघर्षशीलता हमेशा याद की जाएगी।

कार्यक्रम में डॉ. दिव्येंदु मिश्र, राकेश तिवारी, मनोज सिंह, मनोज यादव, श्याम त्रिपाठी, मनु मिश्र सहित बड़ी संख्या में उपस्थित छात्रों ने श्रद्धासुमन अर्पित किया और शहीद उमानाथ सिंह के प्रति अपने भाव प्रकट किए।

पहल टुडे

एआई के साथ विकास की नई राह पर पीयूः प्रो. राकेश सिंह

एआई मंथन में कुलपति प्रो. राकेश सिंह ने रखा पीयू का विजन

पहल टुडे

जौनपुर/कानपुर। छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय, कानपुर में आयोजित कृत्रिम बुद्धिमत्ता मंथन-2.0 में वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय, जौनपुर की टीम ने सहभागिता की। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. राकेश कुमार सिंह ने कुलाधिपति एवं राज्यपाल आनंदीबेन पटेल के समक्ष प्रस्तुतिकरण देते हुए कृत्रिम बुद्धिमत्ता के शिक्षा, अनुसंधान, नवाचार, स्वास्थ्य तथा सुशासन के क्षेत्र में उपयोग की संभावनाओं पर विस्तार से अपनी बात रखी।

कुलपति प्रो. राकेश कुमार सिंह ने अपने प्रस्तुतिकरण में विश्वविद्यालय की उपलब्धियों के साथ-साथ भविष्य की कार्ययोजना पर प्रकाश डाला। उन्होंने कृत्रिम बुद्धिमत्ता के माध्यम से उच्च शिक्षा को अधिक



प्रभावी, नवाचार एवं तकनीक आधारित बनाने की संभावनाओं पर चर्चा की। साथ ही विश्वविद्यालय में एआई के संबंध में किए गए प्रयासों पर भी प्रकाश डाला।

उन्होंने विश्वविद्यालय में विद्यार्थियों के लिए छात्रावास की सुविधाओं के विस्तार, खेलकूद गतिविधियों को बढ़ावा देने, इंटरनेट सुविधाओं को सुदृढ़ करने तथा विद्यार्थियों की सुरक्षा से संबंधित विभिन्न पहलों की जानकारी दी।

प्रस्तुतिकरण में क्षय रोग से पीड़ित मरीजों के सहयोग एवं जागरूकता, किशोरियों के लिए मानव पेपिलोमा विषाणु के टीकाकरण, सौ सप्ताह के नशामुक्ति अभियान, सेवा पखवाड़े तथा बाल संरक्षण गृह से संबंधित विश्वविद्यालय की कार्ययोजना को भी प्रस्तुत किया गया।



कृत्रिम बुद्धिमत्ता मंथन-2.0 में विभिन्न विश्वविद्यालयों के शिक्षाविदों, विशेषज्ञों एवं प्रतिनिधियों ने कृत्रिम बुद्धिमत्ता के माध्यम से शिक्षा, अनुसंधान, नवाचार, स्वास्थ्य और सुशासन को नई दिशा देने पर विचार साझा किए। कार्यक्रम ने उच्च शिक्षा संस्थानों के बीच कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित सहयोग एवं नवाचार की नई संभावनाओं को भी सामने रखा।

विश्वविद्यालय की तरफ से एआई मंथन में कुलपति प्रो. राकेश कुमार सिंह के नेतृत्व में कुलसचिव डॉ. विनोद कुमार सिंह, आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ के समन्वयक प्रो. गिरिधर मिश्र, प्रो. सौरभ पाल, डॉ. विक्रान्त भटेजा, डॉ. सुनील यादव, दिलीप कुमार यादव प्रतिभाग किए।

पूर्वांचल लाइफ

एआई के साथ विकास की नई राह पर पीयूः प्रो. राकेश सिंह

पूर्वांचल लाइफ

▪ एआई मंथन में कुलपति प्रो. राकेश सिंह ने रखा पीयू का विजन

जौनपुर/कानपुर। छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय, कानपुर में आयोजित कृत्रिम बुद्धिमत्ता मंथन-2.0 में वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय, जौनपुर की टीम ने सहभागिता की। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. राकेश कुमार सिंह ने कुलाधिपति एवं राज्यपाल आनंदीबेन पटेल के समक्ष प्रस्तुतिकरण देते हुए कृत्रिम बुद्धिमत्ता के शिक्षा, अनुसंधान, नवाचार, स्वास्थ्य तथा सुशासन के क्षेत्र में उपयोग की संभावनाओं पर विस्तार से अपनी बात रखी। कुलपति प्रो. राकेश कुमार सिंह ने अपने प्रस्तुतिकरण में विश्वविद्यालय की उपलब्धियों के साथ-साथ भविष्य की कार्ययोजना पर प्रकाश डाला। उन्होंने कृत्रिम बुद्धिमत्ता के माध्यम से उच्च शिक्षा को अधिक प्रभावी, नवाचार एवं तकनीक आधारित बनाने की संभावनाओं पर चर्चा की। साथ ही विश्वविद्यालय में एआई के संबंध में किए गए प्रयासों पर भी प्रकाश डाला। उन्होंने विश्वविद्यालय में विद्यार्थियों के लिए छात्रावास की सुविधाओं के विस्तार, खेलकूद गतिविधियों को बढ़ावा देने, इंटरनेट सुविधाओं को सुदृढ़ करने तथा विद्यार्थियों की सुरक्षा से संबंधित विभिन्न पहलों की जानकारी दी। प्रस्तुतिकरण में क्षय रोग से पीड़ित मरीजों के सहयोग एवं जागरूकता, किशोरियों के लिए मानव पेपिलोमा विषाणु के टीकाकरण, सौ सप्ताह के नशामुक्ति अभियान, सेवा पखवाड़े तथा बाल संरक्षण गृह से संबंधित विश्वविद्यालय की कार्ययोजना को भी प्रस्तुत किया गया। कृत्रिम बुद्धिमत्ता मंथन-2.0 में विभिन्न विश्वविद्यालयों के शिक्षाविदों, विशेषज्ञों एवं प्रतिनिधियों ने कृत्रिम बुद्धिमत्ता के माध्यम से शिक्षा, अनुसंधान, नवाचार, स्वास्थ्य और सुशासन को नई दिशा देने पर विचार साझा किए। कार्यक्रम ने उच्च शिक्षा संस्थानों के बीच कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित सहयोग एवं नवाचार की नई संभावनाओं को भी सामने रखा। विश्वविद्यालय की तरफ से एआई मंथन में कुलपति प्रो. राकेश कुमार सिंह के नेतृत्व में कुलसचिव डॉ. विनोद कुमार सिंह, आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ के समन्वयक प्रो. गिरिधर मिश्र, प्रो. सौरभ पाल, डॉ. विक्रान्त भटेजा, दिलीप कुमार यादव प्रतिभाग किए।





वर्ल्ड ट्रस्टेड

एआई के साथ विकास की नई राह पर पीयू: प्रो. राकेश सिंह

एआई मंथन में कुलपति प्रो. राकेश सिंह ने रखा पीयू का विजन

वर्ल्ड ट्रस्टेड न्यूज





जौनपुर/कानपुर। छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय, कानपुर में आयोजित कृत्रिम बुद्धिमत्ता मंथन-2.0 में वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय, जौनपुर की टीम ने सहभागिता की। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. राकेश कुमार सिंह ने कुलाधिपति एवं राज्यपाल आनंदीबेन पटेल के समक्ष प्रस्तुतिकरण देते हुए कृत्रिम बुद्धिमत्ता के शिक्षा, अनुसंधान, नवाचार, स्वास्थ्य तथा सुशासन के क्षेत्र में उपयोग की संभावनाओं पर विस्तार से अपनी बात रखी।

कुलपति प्रो. राकेश कुमार सिंह ने अपने प्रस्तुतिकरण में विश्वविद्यालय की उपलब्धियों के साथ-साथ भविष्य की कार्ययोजना पर प्रकाश डाला। उन्होंने कृत्रिम बुद्धिमत्ता के माध्यम से उच्च शिक्षा को अधिक प्रभावी, नवाचार एवं तकनीक आधारित बनाने की संभावनाओं पर चर्चा की। साथ ही विश्वविद्यालय में एआई के संबंध में किए गए प्रयासों पर भी प्रकाश डाला।

उन्होंने विश्वविद्यालय में विद्यार्थियों के लिए छात्रावास की सुविधाओं के विस्तार, खेलकूद गतिविधियों को बढ़ावा देने, इंटरनेट सुविधाओं को सुदृढ़ करने तथा विद्यार्थियों की सुरक्षा से संबंधित विभिन्न पहलों की जानकारी दी।

प्रस्तुतिकरण में क्षय रोग से पीड़ित मरीजों के सहयोग एवं जागरूकता, किशोरियों के लिए मानव पेपिलोमा विषाणु के टीकाकरण, सौ सप्ताह के नशामुक्ति अभियान, सेवा पखवाड़े तथा बाल संरक्षण गृह से संबंधित विश्वविद्यालय की कार्ययोजना को भी प्रस्तुत किया गया।

कृत्रिम बुद्धिमत्ता मंथन-2.0 में विभिन्न विश्वविद्यालयों के शिक्षाविदों, विशेषज्ञों एवं प्रतिनिधियों ने कृत्रिम बुद्धिमत्ता के माध्यम से शिक्षा, अनुसंधान, नवाचार, स्वास्थ्य और सुशासन को नई दिशा देने पर विचार साझा किए। कार्यक्रम ने उच्च शिक्षा संस्थानों के बीच कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित सहयोग एवं नवाचार की नई संभावनाओं को भी सामने रखा।

विश्वविद्यालय की तरफ से एआई मंथन में कुलपति प्रो. राकेश कुमार सिंह के नेतृत्व में कुलसचिव डॉ. विनोद कुमार सिंह, आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ के समन्वयक प्रो. गिरिधर मिश्र, प्रो. सौरभ पाल, डॉ. विक्रान्त भटेजा, डॉ. सुनील यादव, दिलीप कुमार यादव प्रतिभाग किए।

जनसंदेश

एआई के साथ विकास की नई राह पर पीयू : प्रो. राकेश सिंह

जनसंदेश न्यूज



जौनपुर। छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय में आयोजित कृत्रिम बुद्धिमत्ता मंथन-2.0 में वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय की टीम ने सहभागिता की। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. राकेश कुमार सिंह ने कुलाधिपति एवं राज्यपाल आनंदीबेन पटेल के समक्ष प्रस्तुतिकरण देते हुए कृत्रिम बुद्धिमत्ता के शिक्षा, अनुसंधान, नवाचार, स्वास्थ्य तथा सुशासन के क्षेत्र में उपयोग की संभावनाओं पर विस्तार से अपनी बात रखी।

कुलपति प्रो. राकेश कुमार सिंह ने अपने प्रस्तुतिकरण में विश्वविद्यालय की उपलब्धियों के साथ-साथ भविष्य की कार्ययोजना पर प्रकाश डाला। उन्होंने कृत्रिम बुद्धिमत्ता के माध्यम से उच्च शिक्षा को अधिक प्रभावी, नवाचार एवं तकनीक आधारित बनाने की संभावनाओं पर चर्चा की। साथ ही विश्वविद्यालय में एआई के संबंध में किए गए प्रयासों पर भी प्रकाश डाला। उन्होंने विश्वविद्यालय में विद्यार्थियों के लिए छात्रावास की सुविधाओं के विस्तार, खेलकूद गतिविधियों को बढ़ावा देने, इंटरनेट सुविधाओं को सुदृढ़ करने तथा विद्यार्थियों की सुरक्षा से संबंधित विभिन्न पहलों की जानकारी दी। प्रस्तुतिकरण में क्षय रोग से पीड़ित मरीजों के सहयोग एवं जागरूकता, किशोरियों के लिए मानव पेपिलोमा विषाणु के टीकाकरण, सौ सप्ताह के नशामुक्ति अभियान, सेवा पखवाड़े तथा बाल संरक्षण गृह से संबंधित विश्वविद्यालय की कार्ययोजना को भी प्रस्तुत किया गया। कृत्रिम बुद्धिमत्ता मंथन-2.0 में विभिन्न विश्वविद्यालयों के शिक्षाविदों, विशेषज्ञों एवं प्रतिनिधियों ने कृत्रिम बुद्धिमत्ता के माध्यम से शिक्षा, अनुसंधान, नवाचार, स्वास्थ्य और सुशासन को नई दिशा देने पर विचार साझा किए। कार्यक्रम ने उच्च शिक्षा संस्थानों के बीच कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित सहयोग एवं नवाचार की नई संभावनाओं को भी सामने रखा। विश्वविद्यालय की तरफ से एआई मंथन में कुलपति प्रो. राकेश कुमार सिंह के नेतृत्व में कुलसचिव डॉ. विनोद कुमार सिंह, आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ के समन्वयक प्रो. गिरिधर मिश्र, प्रो. सौरभ पाल, डॉ. विक्रान्त भटेजा, डॉ. सुनील यादव, दिलीप कुमार यादव प्रतिभाग किया।